

शिक्षण का अर्थ और उसके चरण (Teaching: Its Meaning and Its Stages)

B.ED SESSION 2024-26

A.P.B. GOVERNMENT P.G. COLLEGE, AGASTYAMUNI

Submitted By:
Sakshi Mukhmal
B.ED(2nd Year)
Roll No: 4241511020023

Submitted To :
Dr. Arvind Sajwan
Department of Education
A.P.B. Government P.G.
College, Agastyamuni



शिक्षण का अर्थ (Meaning of Teaching):

- शिक्षण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से शिक्षक विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल, मूल्य और व्यवहार सिखाता है।
- यह केवल जानकारी देना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सोचने, समझने और आचरण में परिवर्तन लाने की कला है।

सरल शब्दों में –

शिक्षण वह कला है जिसके द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों को सीखने के योग्य बनाता है और उन्हें नई चीज़ें समझने में सहायता करता है।

शिक्षण की परिभाषाएँ (Definitions of Teaching):

मॉर्रिसन (Morrison) के अनुसार –

“शिक्षण वह प्रक्रिया है जिसमें शिक्षक विद्यार्थियों को सीखने के लिए प्रेरित करता है।”

क्लार्क (Clarke) के अनुसार –

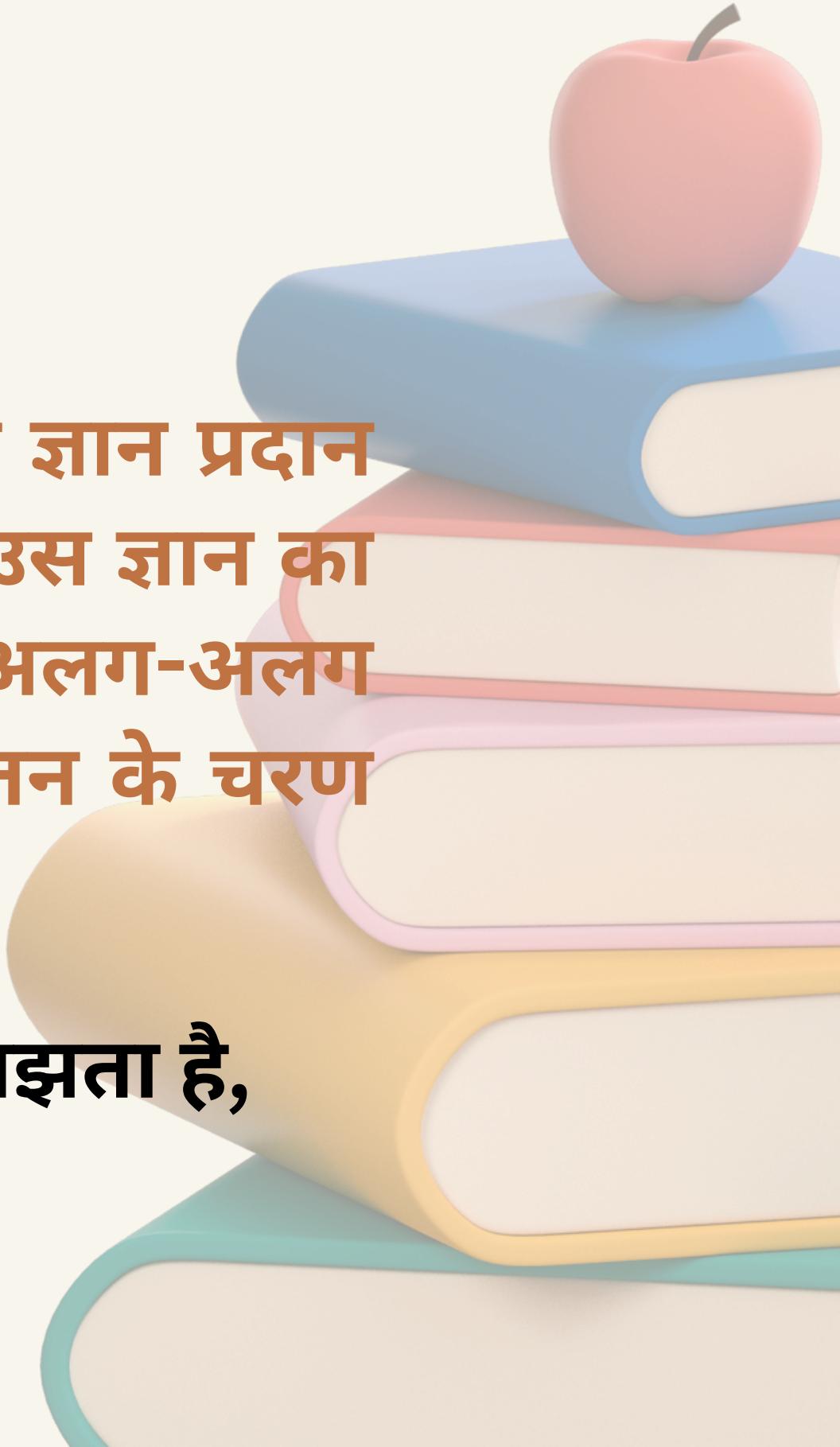
“शिक्षण वह गतिविधि है जिसके द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों के अनुभवों में परिवर्तन लाता है।”

शिक्षण के तीन चरण – स्मृति, समझ और चिंतन

परिचय (Introduction):

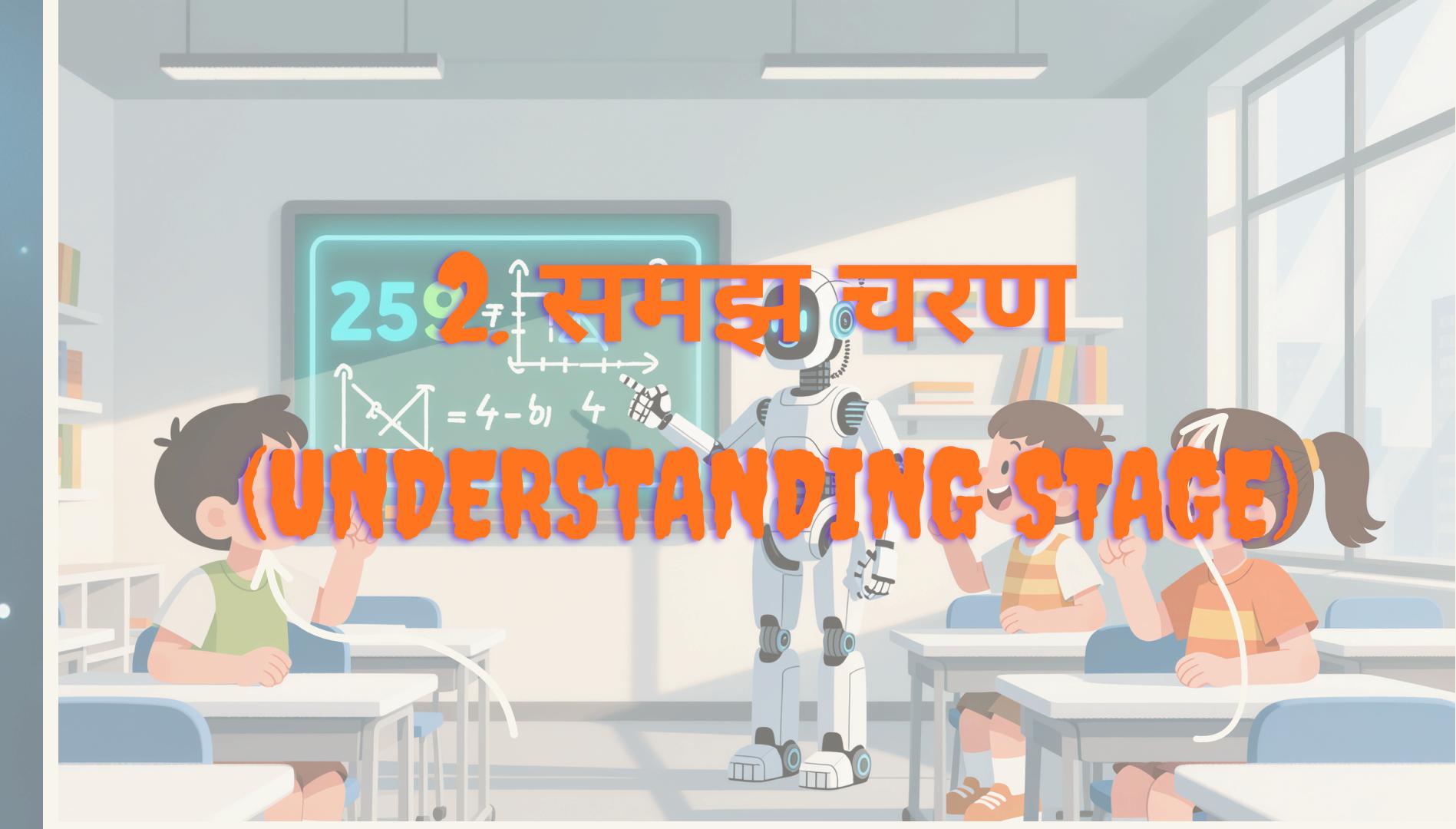
शिक्षण एक योजनाबद्ध प्रक्रिया है जिसमें शिक्षक विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करता है, उनके विचारों का विकास करता है, और उन्हें जीवन में उस ज्ञान का उपयोग करने योग्य बनाता है। शिक्षण के दौरान विद्यार्थी अलग-अलग मानसिक अवस्थाओं से गुजरते हैं, जिन्हें स्मृति, समझ, और चिंतन के चरण कहा जाता है।

इन्हीं तीन चरणों के माध्यम से विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त करता है, उसे समझता है, और उसका विश्लेषण कर अपने अनुभव में लागू करता है।





1. स्मृति चरण (MEMORY STAGE)



1. स्मृति चरण (Memory Stage)

👉 अर्थ (Meaning):

इस चरण में विद्यार्थी केवल जानकारी को याद करता है। यह सीखने की प्रारंभिक अवस्था (Initial Stage) होती है, जहाँ वह तथ्यों, परिभाषाओं, सूत्रों और विवरणों को स्मरण करता है।

📘 परिभाषा (Definition):

डॉ. एन. एल. मुखर्जी के अनुसार –

“स्मृति-आधारित चरण में विद्यार्थी विषयवस्तु को रटकर या याद करके अपने मस्तिष्क में संहित करता है।”



स्मृति चरण की विशेषताएँ

(Characteristics of Memory Stage)

- विद्यार्थी को नए शब्दों, नियमों, सूत्रों और तथ्यों से परिचित कराया जाता है।
- शिक्षक बार-बार दोहराव (Repetition) और अभ्यास (Practice) के माध्यम से विषय को याद करवाता है।
- विद्यार्थी मुख्यतः रटकर सीखने (Rote Learning) पर निर्भर रहता है।
- यह चरण शिक्षण की निचली स्तर की मानसिक क्रिया से संबंधित होता है।
- इस चरण में रचनात्मकता या विश्लेषणात्मक सोच अपेक्षाकृत कम होती है।

स्मृति चरण का उदाहरण (Example of Memory Stage):

भारत का स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 1947 को मनाया गया।”
इस चरण में विद्यार्थियों को मुख्य ऐतिहासिक तथ्यों और घटनाओं की याद कराया जाता है।



2. समझ चरण (Understanding Stage)

👉 अर्थ (Meaning):

शिक्षण का यह महत्वपूर्ण चरण बोध-आधारित चरण कहलाता है। जब विद्यार्थी केवल तथ्यों और सूचनाओं को रटकर नहीं, बल्कि समझकर सीखता है, तब वह बोध के स्तर तक पहुँचता है। इस चरण में शिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों में तर्कशक्ति, बौद्धिक क्षमता और ज्ञान को आपस में जोड़ने की क्षमता विकसित करना होता है।

❑ परिभाषा (Definition):

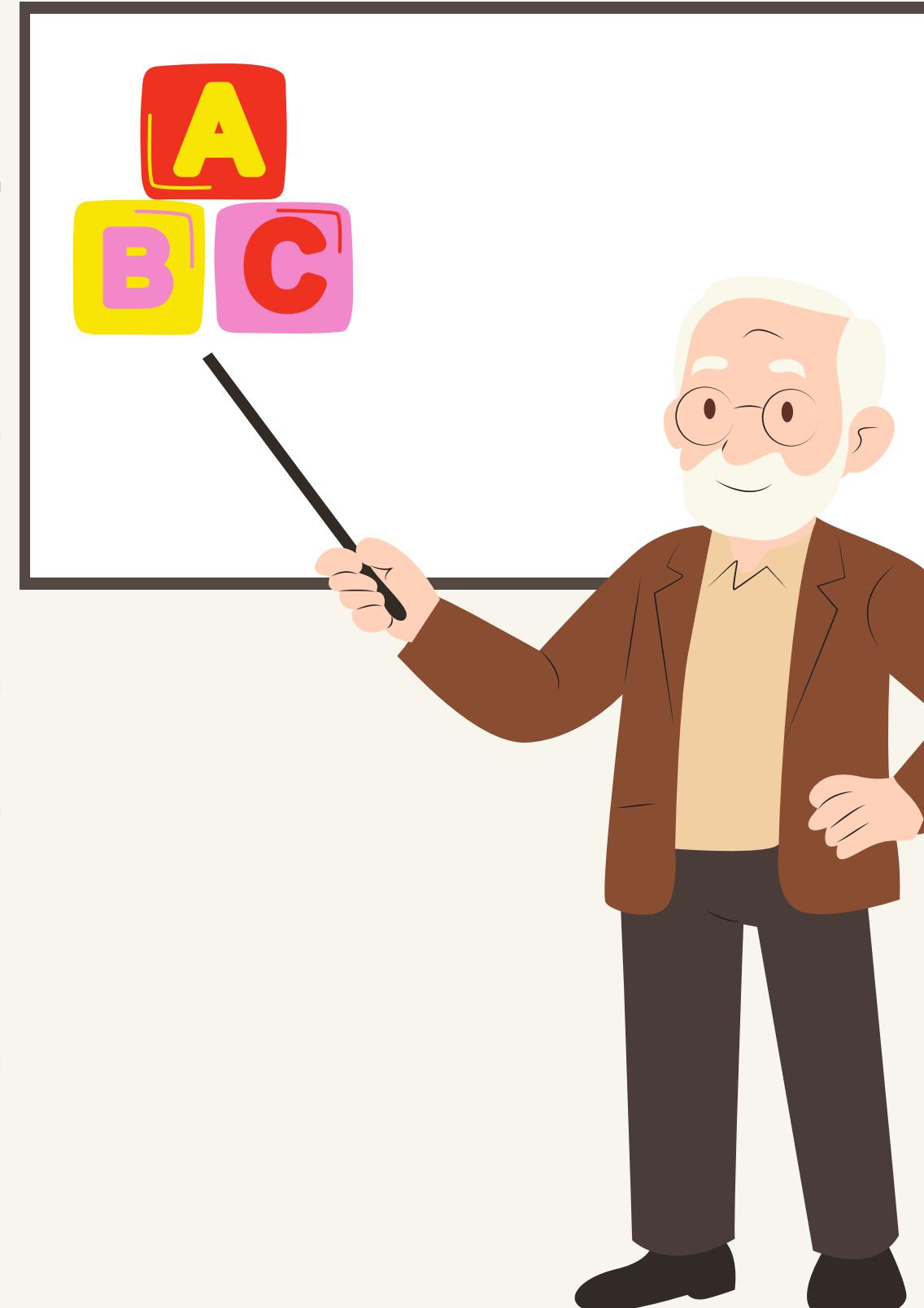
डॉ. बेंजामिन लूम के अनुसार –

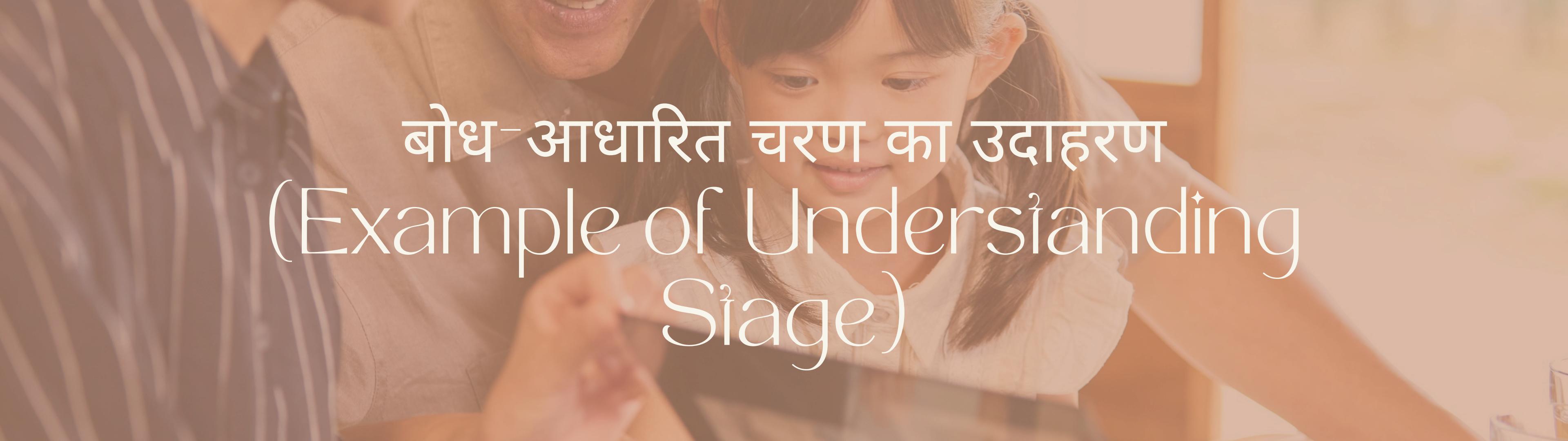
“बोध चरण में विद्यार्थी तथ्यों के अर्थ को समझता है और उन्हें वास्तविक जीवन में लागू करने योग्य बनाता है।”

बोध-आधारित चरण की विशेषताएँ

(Characteristics of Understanding Stage)

- विद्यार्थी रटे हुए तथ्यों को समझने लगता है।
- विषयवस्तु का विश्लेषण (Analysis) और तर्क करता है।
- उदाहरण, चित्र, योग, मॉडल और तुलना के माध्यम से समझ विकसित होती है।
- विद्यार्थी केवल जानकारी का संह नहीं करता, बल्कि ज्ञान का अर्थ समझकर उसे जीवन में लागू करने का प्रयास करता है।
- प्रश्नोत्तर, चर्चा, वाद-विवाद और गतिविधियों के माध्यम से यह चरण अधिक सक्रिय और प्रभावी बनता है।





बोध-आधारित चरण का उदाहरण (Example of Understanding Stage)

मृत चरण में विद्यार्थी ने सीखा:
भारत का स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 1947 को मनाया गया।



बोध-आधारित चरण में विद्यार्थी यह समझता है:
स्वतंत्रता क्यों मिली, इसके पीछे कौन-कौन से कारण और आंदोलन जिम्मेदार थे।



3. चिंतन चरण (Reflective Stage)

👉 अर्थ (Meaning):

शिक्षण का तीसरा और उच्चतम चरण चिंतन या परावर्तन चरण कहलाता है। इस चरण में विद्यार्थी सीखी हुई जानकारी को केवल याद या समझ ही नहीं पाता, बल्कि उसे विश्लेषण (Analyze), संश्लेषण (Synthesize) और मूल्यांकन (Evaluate) भी करता है।

यह स्तर विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करता है।

📘 परिभाषा (Definition):

डॉ. बेंजामिन लूम के अनुसार –

“चिंतन चरण में विद्यार्थी ज्ञान का गहन परीक्षण करता है, नए विचार उत्पन्न करता है और विभिन्न परिस्थितियों में उसका रचनात्मक उपयोग करता है।”

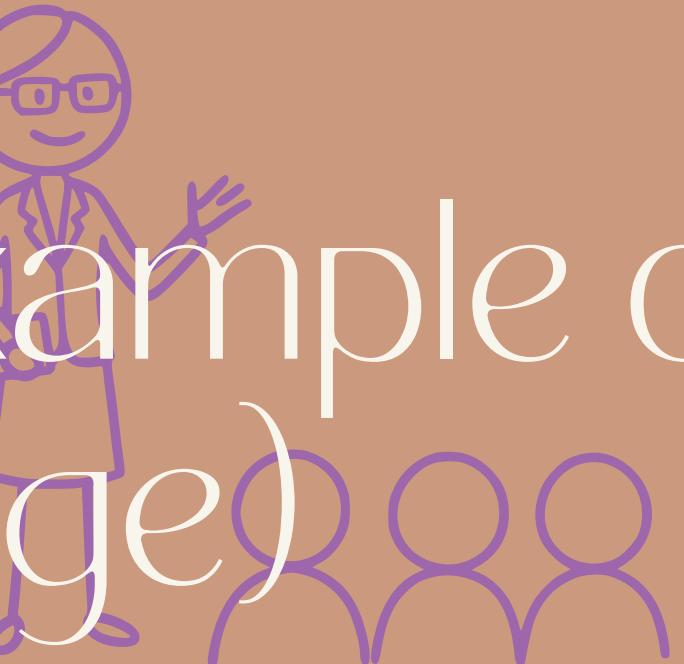
चिंतन चरण की विशेषताएँ (Characteristics of Reflective Stage)

1. विद्यार्थी सीखे हुए तथ्यों का आलोचनात्मक विश्लेषण करता है।
2. नए विचार और सृजनात्मक सोच का विकास होता है।
3. वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में ज्ञान का अनुप्रयोग करता है।
4. निर्णय लेने (Decision Making) और समस्या-समाधान (Problem Solving) की क्षमता विकसित होती है।
5. यह चरण उच्चतर मानसिक क्रियाओं (Higher Order Thinking Skills) से संबंधित है।





चिंतन चरण का उदाहरण (Example of Reflective Stage)



मृत चरण:

भारत का स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 1947 को मनाया गया।

बोध-आधारित चरण में विद्यार्थी यह समझता है:

स्वतंत्रता क्यों मिली, इसके पीछे कौन-कौन से कारण और आंदोलन जिम्मेदार थे।

चिंतन चरण:

विद्यार्थी यह सोचता है –

“अगर भारत देर से स्वतंत्र होता, तो आज के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ कैसी होती?”





निष्कर्ष (Conclusion)

शिक्षण एक योजनाबद्ध, उद्देश्यपूर्ण और सतत प्रक्रिया है जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती है।

शिक्षण के तीन चरण – स्मृति चरण, बोध-आधारित चरण और चिंतन चरण – आपस में जुड़े हुए हैं और मिलकर विद्यार्थियों की ज्ञान, समझ और सोचने की क्षमता को विकसित करते हैं।

- स्मृति चरण विद्यार्थियों को मूलभूत जानकारी प्रदान करता है।
- बोध-आधारित चरण उन्हें विषयवस्तु को समझने की क्षमता देता है।
- चिंतन चरण उनके अंदर रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच का विकास करता है।

इसलिए, शिक्षण का वास्तविक उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को सटीक, तार्किक और सृजनशील विचारक बनाना है।

एक कुशल शिक्षक इन तीन चरणों का संतुलित उपयोग करके शिक्षण को भावपूर्ण, रोचक और जीवनोपयोगी बना सकता है।

Submitted By:
Sakshi Mukhmal
B.ED(2nd Year)
Roll No: 4241511020023

**Thank
you**

Submitted To :
Dr. Arvind Sajwan
Department of Education
A.P.B. Government P.G.
College, Agastyamuni